डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 05 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शनिवार 12 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

दशहरे की शुभकामनाएं

दशानन के वध के शुभअवसर पर दशहरे पर सभी पाठको, स्नेहीजनो, शुभचिंतको, विज्ञापनदाताओ को **शुभकामनाएं।**

** अवकाश सूचना **

असत्य पर सत्य की विजय के पर्व दशहरे के अवसर पर शनिवार 12 अक्टूबर को दैनिक गुरु एक्सप्रेस कार्यालय का अवकाश रहेगा। इसलिए 13 अक्टूबर को गुरु एक्सप्रेस का प्रकाशन स्थगित रहेगा। सोमवार 14 अक्टूबर को पुनः मिलेंगे।
संपादक

कालाखेत मैदान से शुरु हुआ था दशहरा उत्सव का सफर...

हे राम..मरने के बाद भी मार रही महंगाई..!

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महंगाई में अंतिम संस्कार का खर्च दो हजार से दस हजार तक पहुंच गया। जहां आम आदमी को महंगाई मौत के बाद नहीं छोड़ रही। वही हाल लंकाधिपति रावण का भी है। लंकाधिपति रावण भी शायद राम से यही कह रहा हो..हे राम..मरने के बाद जनता तो मार ही रही है...महंगाई भी मार रही है। बात कर रहे हैं दशहरा उत्सव पर तैयार किए जाने वाले रावण के साथ कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुलते की। करीब पैतीस साल पहल मंदसौर में रावण दहन उत्सव का सफर शुरु हुआ। यह सफर आठ हजार रुपए से शुरु होकर महंगाई की मार के चलते ढाई लाख रुपए तक पहुंच गया। हालांकि कालाखेत से कॉलेज ग्राउंड के सफर में रावण दहन उत्सव की भव्यता में भी इजाफा हुआ है।

शहर के कॉलेज ग्राउण्ड में असत्य पर सत्य की विजय के पर्व दशहरा को लेकर तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। यहां 71 फीट के रावण के साथ मेघनाथ और कुंभकरण के 41-41 फीट के पुतले लगभग तैयार हो गए है। साथ ही दशहरा उत्सव को लेकर अन्य पुलिस और प्रशासनिक तैयारियां भी हो चुकी है। वैसे तो तीन दशक पहले सामूहिक रावण दहन उत्सव की शुरुआत मंदसौर में हुई थी। लेकिन, दो दशक से अब तक महंगाई का असर रावण दहन उत्सव पर भी नजर आया है। पहले 8-10 हजार में तीनों पुतले तैयार हो जाते थे, लेकिन अब महंगाई इतनी बढ गई है कि पचास हजार रुपए तो पुतले का ढांचा तैयार करने में उपयोग होने वाले बांस खरीदने में ही खर्च हो जाते हैं। 30-35 वर्ष पहले इन पुतलों का निर्माण 8 हजार में किया था। अब पुतले तैयार होने में आने वाला खर्च ढाई लाख रुपए से भी ज्यादा पहुंच गया है। महंगाई बढने से इन्हें तैयार करने में जो लागत लगती थी, वह भी कई गुना बढ़ गई है।

एक पखवाड़े से ज्यादा लगता है समय...

मंदसौर में फतेहपुर सिकरी के कारिगरों द्वारा रावण सहित अन्य पुतले तैयार किए जा रहे हैं। पुतला तैयार करने वाले कारीगरों के मुताबिक तीनों पुतले तैयार करने में 15-20 दिन का समय लगता है। यहां सितंबर माह से तैयारी में जुट गए थे। इन पुतलो को तैयार करने में बड़ी मात्रा में बांस व रद्दी पेपर की आवश्यकता होती है। इसके अलावा गिफ्ट पेपर, नारियल की रस्सी, मैदा के साथ ही अन्य आवश्यक सामग्रियां लगती है।

इस बार सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ...

दशपुर दशहरा उत्सव समिति द्वारा विजयादशमी को लेकर कॉलेज ग्राउंड में होने वाले रावण दहन कार्यक्रम की तैयारियां पूरी हो चुकी है। शाम 06.30 बजे दशहरा उत्सव आयोजित किया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस अवसर पर हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठक का आयोजन भी होगा। पं दशरथ शर्मा और संस्कृत पाठशाला के बटुक मंत्रोच्चार के साथ हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ संपन्न कराएंगे। समिति के अध्यक्ष डॉ भानुप्रतापसिंह सिसौदिया ने बताया कि मैदान में हनुमानजी का एक बडा स्टेच्यू भी स्थापित किया जा रहा है। दशहरा उत्सव में सम्मिलित होने वाले प्रत्येक व्यक्ति को कुमकुम का तिलक लगाया जाएगा। बता दे कि कॉलेज ग्राउंड पर रावण का 71 फीट और मेघनाथ और कुंभकरण के 41-41 फीट के पुतले जलाए जाएंगे।

आठ हजार से ढाई लाख रुपए तक का सफर

यातायात व्यवस्था में होगा बदलाव...

यातायात व्यवस्था के मद्देनजर यातायात पुलिस ने भी प्लान तैयार किया है। यातायात पुलिस ने बताया कि चार पहिया वाहन के लिए- जैन कॉलेज परिसर, डाईट परिसर, लॉ कॉलेज मैदान, जिला पंचायत केंपस पर कार तथा अन्य वाहन पार्क कर सकेंगे।. दो पहिया वाहन के लिए गर्ल्स कॉलेज वाहन पार्किंग, कुशाभाऊठाकरे ऑडिटोरियम परिसर तथा राजीव गांधी कॉलेज पार्किंग का उपयोग करें। श्रीकोल्ड चौराहे से लेकर जैन कॉलेज तक का मार्ग सिर्फ दो पहिया वाहनों की आवाजाही हेतु उपलब्ध रहेगा, अन्य सभी प्रकार के वाहनों के लिए प्रतिबंधित रहेगा। बड़े वाहन जैसे बस, लोडिंग वाहन आदि नया कलेक्ट्रेट मार्ग से बायपास तथा रामटेकरी से बायपास मार्ग पर डाइवर्ट किए जाएंगे। जैन कॉलेज से श्री कोल्ड चौराहे तक के मार्ग का उपयोग दशहरा उत्सव के अतिरिक्त आम आवाजाही में ना करें तथा किटियानी होकर आना-जाना करें। यह व्यवस्था संध्या 5:00 बजे से रावण दहन तक प्रभावी रहेगी।

प्रेमसुख पाटीदार ने खुद को मारी गोली..!

अफजलपुर थाने में सरेंडर किया, भोपाल ड्रग्स फैक्टरी कांड में पुलिस को थी तलाश

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। भोपाल ड्रग्स फैक्टरी कांड में पुलिस ने मंदसौर के हरीश आंजना को गिरफ्तार किया था। जिसने पूछताछ में बताया था कि उसने हथुनिया निवासी प्रेमसुख पाटीदार से भी एमडी ड्रग की खरीद फरोख्त की थी। इसके बाद से ही पुलिस प्रेमसुख पाटीदार की तलाश कर रही थी। इसके लिए पुलिस की कई टीमें प्रेमसुख की तलाश में जगह-जगह छापामारी कर रही थी। इधर इसी दौरान शुक्रवार दोपहर को जिले के अफजलपुर थाना परिसर में आरोपी प्रेमसुख नाटकीय ढंग से पहुंचा और पिस्टल से खुद के ही पैर पर फायर कर दिया। मौके से पुलिस उसे गिरफ्तार कर बड़े अस्पताल लाई, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। आरोपी के कब्जे से अवैध पिस्टल भी बरामद की गई है। मामले में पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने बताया कि आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार नहीं किया है। आरोपी को पुलिस तलाश कर रही थी। इसी दौरान पूछताछ से बचने के लिए खुद के पैर में गाली मारकर प्रेमसुख अफजलपुर थाने पहुंचा। यहां उससे एक पिस्टल भी बरामद हुई। जो संभवत: अवैध है। इस मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जांच एजेंसियों को इसकी सूचना दे दी गई है।

जीजा राकेश पाटीदार ने कही थी सरेंडर की बात...

बता दे कि 1814 करोड़ रुपए की एमडी ड्रग्स मामले में नाम आने के बाद से जिले के ग्राम उदपुरा-हतुनिया निवासी प्रेमसुख पाटीदार फरार था। मामले में गिरफ्तार मंदसौर के माल्या खेरखेडा के हरीश आंजना पिता नारायणसिंह आंजना ने पुलिस व गुजरात एटीएस की पूछताछ में प्रेमसुख का नाम लिया था। इस बीच गुरुवार को फरार प्रेमसुख के जीजा व कांग्रेस नेता राकेश पाटीदार (2020 उप चुनाव व 2023 में सुवासरा विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे) ने दावा करते हुए कहा था कि प्रेमसुख 2 दिन में सरेंडर कर देगा। राकेश ने बताया मैंने समाज, रिश्तेदारी, परिचितों सभी को प्रेमसुख को सरेंडर कराने की बात भी कही थी। उन्होंने कहा था कि जैसे ही संपर्क होगा वो खुद आत्मसमर्पण करेगा। मुझे विश्वास है केवल 2 दिन में ये प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। वहीं पुलिस ने गिरफ्तार करने की बात कही थी।

उल्लेखनीय है कि हरीश आंजना से पूछताछ में भी कई राज खुल रहे हैं। उससे पूछताछ के बाद ही प्रतापगढ़ के शोएब लाला और रब नवाज की जानकारी गुजरात एटीएस और एनसीबी को मिली। जिसके बाद उनकी तलाश भी की जा रही है। इधर आशंका है कि ड्रग्स की डील के लिए फ्लाइट का उपयोग हरीश आंजना करता था। 2022 में हरीश गांजा की खेप लाते ग्वालियर में पकडाया था। क्राइम ब्रांच की जांच में पता चला था ड्रग्स की डील के लिए हरीश फ्लाइट से आता-जाता था। जांच एजेंसी पता कर रही है कि हरीश एमडी ड्रग्स की डील के लिए ऐसा ही पैटर्न अपना रहा था। इससे पहले हरीश को अफीम और डोडाचूरा की तस्करी के मामले में मंदसौर और रतलाम में गिरफ्तार किया जा चुका है। डीआइजी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि अभी तक की पूछताछ में सामने आया है कि हरीश आंजना गुजरात के वापी से केमिकल लेकर आता था। इससे एमडी ड्रग्स बनाई जाती थी। पुलिस के अनुसार, आंजना इससे पहले भी तस्करी के मामले में पकड़ा जा चुका है।

अनेक बार दे चुका है सप्लाय...?

पुलिस सूत्रो की माने तो प्रेमसुख कई बार एमडी सहित अन्य ड्रग्स की सप्लाय दे चुका है। उसके कांटेक्ट में 30 से अधिक ड्रग पेडलर है जो ड्रग्स को रिटेल में खपाने का काम करते है। पुलिस इस मामले में ज्यादा पूछताछ नहीं कर सके, इसलिए उसने स्वयं को ही पैर में गोली मार ली और थाने पहुंच गया। घायल होने से पुलिस उससे कड़ाई से पूछताछ नहीं कर सकेगी। हालांकि, पुलिस तो प्रारंभिक पूछताछ कर उसे एनसीबी और गुजरात एटीएस की संयुक्त टीम के सुपूर्द कर देगी। भोपाल में उससे क्रास पूछताछ होगी। जिससे यह पता चल सकेगा कि हरीश और प्रेमसुख पुलिस को छल तो नहीं रहे है।

नालछा माता मंदिर में उमड़ा श्रृद्धा का सैलाब

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नवरात्रि के अंतिम दिवस शहर के नालछा माता मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। शुक्रवार को महाअष्टमी व महानवमी को लेकर मंदिर में दिनभर विशेष आयोजन हुए। इसी क्रम में शुक्रवार सुबह महाअष्टमी और नवमी की आरती की गई। इस दौरान शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालु आरती में शामिल हुए। वहीं, इसके बाद मंदिर परिसर में कन्या भोज का आयोजन किया गया। साथ ही आज शनिवार शाम दशहरे के पर्व पर वाड़ी विसर्जन व चूल का आयोजन होगा।

बता दें कि नवरात्रि की पंचमी के दिन नालछा माता का श्रृंगार 15 किलो 500 ग्राम वजनी चांदी के आभूषणों से किया जाता है। इसके लिए ट्रेजरी से आभूषण मंगवाए जाते हैं। वहीं, इस दौरान सुरक्षा के लिए चार गार्ड भी तैनात किए जाते हैं।

माता नाहरसिंही और भैरव नाथ एक साथ विराजमान...

नालछा गांव में स्थित मंदिर माता नाहरसिंही का मंदिर है। लेकिन, गांव का नाम नालछा होने की वजह से भक्त माता को नालछा माता कहते हैं। अति प्राचीन इस मंदिर की खास बात यह है कि नाहरसिंह माई और भैरव नाथ मंदिर के गर्भगृह में एक ही पीठ पर साथ विराजमान हैं।

जीवागंज ने की थी शुरुआत...

मंदसौर में करीब पैतीस साल पहले सामूहिक रूप से रावण दहन उत्सव मनाने की परंपरा की शुरुआत हुई। इसकी शुरुआत पहले जीवागंज क्षेत्र में रहने वाले समाजसेवियों ने की। शुरुआत में छोटे स्तर पर कालाखेत मैदान पर रावण दहन उत्सव शुरु हुआ। उस समय पुतलों की उच्चाई 31 फीट के करीब थी। इसके बाद पुतलों की ऊंचाई के साथ भव्यता भी बढ़ती गई। इसके साथ ही आतिशबाजी की भव्यता भी बढ़ी। साथ ही रावण के साथ मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले हरकत करते हुए भी नजर आने लगे। बाद में रावण दहन करने वाले लोगों और समिति में भी बदलाव हुए। कालाखेत से रावण दहन हायर सेकंडरी ग्राउंड पर पहुंचा। इसके बाद अब कालेज मैदान पर रावण दहन महोत्सव भव्य रूप में मनाया जाता है।

विचार-मंथन

अति आत्मविश्वास ने डुबोई नैया...

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे तमाम विश्लेषणों और सर्वेक्षणों को धता बता चुके हैं। चुनाव पश्चात हुए सभी सर्वेक्षण हरियाणा में कांग्रेस की शानदार विजय और भाजपा की बुरी हार घोषित कर चुके थे। जम्मू-कश्मीर में त्रिशंकु विधानसभा का अनुमान लगाया जा रहा था। मगर नतीजे उसके ठीक उलट आए। जम्मू-कश्मीर के लोगों ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी को नकार दिया। भाजपा को भी जम्मू क्षेत्र से जैसी बढ़त की उम्मीद थी, वह पूरी नहीं हुई। कांग्रेस और नैशनल कांफ्रेंस ने मिल कर जरूरी बहुमत से अधिक सीटें जीत ली हैं। मगर तमाम चुनाव विश्लेषक और सर्वेक्षक हैरान हैं कि हरियाणा में भाजपा का जादू कैसे चल गया। बहुत सारे लोगों को अब तक नतीजों पर यकीन नहीं हो रहा। इसलिए कि चुनाव की घोषणा से पहले ही हरियाणा में भाजपा का विरोध शुरू हो गया था। कुछ महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में भी भाजपा की सीटें घट कर आधी रह गई थीं। विधानसभा चुनाव में सत्ताविरोधी लहर साफ देखी जा रही थी। चुनाव दो-धुवीय हो गया था। टिकट बंटवारे के वक्त भाजपा कार्यकर्ताओं में पहली बार विद्रोह का स्वर भी फूटा था। कुछ नेता भाजपा छोड़ कर कांग्रेस में लौट आए थे। इस तरह इस चुनाव को लेकर भाजपा भी संदेह से भरी हुई थी। हरियाणा में किसान, नौजवान, पहलवान और संविधान का मुद्दा कांग्रेस ने बढ़-चढ़ कर उठाया था। इसका असर भी नजर आ रहा था। किसानों और पहलवानों के मुद्दे पर कई जगह भाजपा नेताओं का बहिष्कार भी देखा गया। इसलिए जमीन पर यही लग रहा था कि कांग्रेस भारी बहुमत के साथ वापसी करने जा रही है। मगर नतीजे भाजपा के पक्ष में आए। जो भाजपा पिछली बार चालीस सीटों पर सिमट गई थी और उसे जजपा के साथ समझौता कर सरकार बनानी पड़ा थी, इस बार उसे स्पष्ट बहुमत मिल गया।ऐसा ही माहौल छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के वक्त था। कांग्रेस की जीत साफ नजर आ रही थी, मगर वहां भाजपा ने स्पष्ट बहुमत से कहीं अधिक सीटें हासिल कर ली थी। हरियाणा नतीजों के बाद भी फिर से मतदान मशीन पर शक जाहिर किया जाने लगा है। खुद कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग में इसकी गुहार लगाई है। मगर चुनावी समीकरणों को देखें तो स्पष्ट है कि भाजपा की रणनीति सफल रही है और कांग्रेस इस बार भी अपनी रणनीति में विफल साबित हुई है। हरियाणा चुनाव में जाट और गैर-जाट का मुद्दा निर्णायक साबित हुआ। जाट कांग्रेस की तरफ केंद्रित हो गए थे। हालांकि गैर-जाट को अपनी तरफ करने की उसने भरपूर कोशिश की, पर उसमें कामयाब नहीं हो सकी। फिर, इस बार आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी आदि दलों ने भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे थे। कुल मिला कर चार फीसद से अधिक वोट इन दलों को मिले हैं। भाजपा के अपने प्रतिबद्ध मतदाता इधर से उधर नहीं हुए। फिर, कई जगहों पर मतदान बहुत कम हुआ। इन सबका असर कांग्रेस पर पड़ा।छोटे दलों ने जो वोट अपने पाले में खींचे, वे अगर मिल जाते, तो कांग्रेस की जीत निश्चित थी। मगर भाजपा ने चुनाव से कुछ समय पहले मुख्यमंत्री बदल कर और गैर-जाट वोट को आकर्षित कर अपनी शानदार विजय सुनिश्चित कर ली। हालांकि दोनों राज्यों में सरकारों के सामने चुनौतियां कठिन हैं। हरियाणा में भाजपा के लिए विश्वास जीतने की चुनौती है, तो कश्मीर में केंद्र के साथ तालमेल बनाए रखने की।

रिजल्ट का महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली पर होगा असर?

कमलेश पांडे

देखा जाए तो हरियाणा में कांग्रेस को शिकस्त देकर भाजपा ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया कि चुनावी रणनीति बनाने में उसके रणनीतिकारों की कोई तोड़ नहीं। हां, इतना जरूर है कि जब कभी भी और जहां कहीं भी वह हारती है तो अपनों की भीतरघात की वजह से और जहां कहीं भी ताल ठोंक कर जीतती है तो आरएसएस के वरदहस्त और अपने कार्यकर्ताओं के अतिउत्साह के चलते, जो हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के प्रति पूरी तरह से समर्पित रहते हैं। और अब जिस तरह से प्रधानमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा करार दिया है, वह भी उसपर भारी पड़ने वाला है। जिस तरह से भारत के लोकतंत्र, अर्थतंत्र और सामाजिक तानेबाने को कमजोर करने की अंतर्राष्ट्रीय साजिशें हो रही हैं, उसके मुताल्लिक पीएम मोदी की बातों में दम है। निःसन्देह कांग्रेस उसी मुस्लिम लीग की टू कॉपी बनती जा रही है, जिसके प्रतिरोध स्वरूप उसने राष्ट्र विभाजन तक को स्वीकार किया था। सच कहूं तो हरियाणा के मामले में चुनावी पंडित जिस तरह से गच्चा खा गए, उससे फिर यह बात स्पष्ट हो गई कि राजनीति में दो जोड़ दो बराबर चार समझने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए और जो ऐसा करते हैं, सियासत के हाशिये पर चले जाते हैं हुड्डा-शैलजा सरीखे अन्य क्षेत्रीय नेताओं की तरह! जानकारों के मुताबिक, हरियाणा में हैट्रिक लगाते हुए भाजपा वहां तीसरी बार अपनी सरकार बनाएगी। आम

चुनाव 2024 में कांग्रेस गठबंधन को मिली तात्कालिक अप्रत्याशित सफलता की बात यदि छोड़ भी दी जाए तो हाल के वर्षों में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, असम, गुजरात आदि के बाद हरियाणा भी एक ऐसा राज्य बन चुका है, जहां पर बीजेपी ने अपने मजबूत चुनावी प्रबंधन से विरोधी पार्टियों के मंसूबे ध्वस्त कर दिए। वहीं, बिहार, पश्चिम बंगाल, जम्मूकश्मीर जैसे राज्यों में भी उसकी स्थिति सुधरी है। हरियाणा में जबरदस्त एंटी इनकंबेंसी के बावजूद बीजेपी का तीसरा बार जीतना बहुत मायने रखता है। क्योंकि उसकी जीत अब इस बात को स्पष्ट करती है कि एससी-ओबीसी मतदाताओं को खींचने में कामयाब रही। भले ही चुनाव नतीजों से पहले एग्जिट पोल में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी और यहां तक कहा गया था कि किसान, जवान और पहलवान बीजेपी से नाराज हैं। इसलिए उससे सत्ता छिन जाएगी, लेकिन मुख्यमंत्री सैनी के आत्मविश्वास के चलते जो असल नतीजे आए, उससे कहानी बिल्कुल पलट गई है। गीता की धरती पर सत्य की जीत हुई। कुरुक्षेत्र वाले भूभाग में कौरवों सरीखी कांग्रेस हार गई। बीजेपी ने गत लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए गैर जाट मतदाताओं को गोलबंद करने का काम किया और अपनी रणनीति में वह कामयाब हो गई। खासकर एससी और ओबीसी समुदाय से आने वाले मतदाताओं पर उसने फोकस किया और उनको अपनी तरफ खींचने में कामयाब रही। वहीं, चुनाव से ठीक पहले बीजेपी की सीएम बदलने वाली रणनीति भी गुजरात की तरह ही कामयाब रही। क्योंकि नायब सिंह सैनी, ओबीसी समुदाय से आते हैं, जिनको सीएम बनाने से ओबीसी मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक संदेश गया। वहीं, ओबीसी रणनीतिकार दिलीप मंडल को मलाईदार पद देने के बाद उनके समर्थकों ने भी कमल खिलाने का काम किया। भले ही हरियाणा में जाट मतदाताओं का वोट बैंक बहुत बड़ा है जिनके समर्थन पर कांग्रेस काफी निर्भर रही है, लेकिन उनमें भी दरार डालने में भाजपा सफल रही। जाट मतदाता कितने शक्तिशाली हैं, इसका अंदाजा इस बात से मिलता है कि राज्य में जाट समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री लगभग 33 साल तक शासन कर चुके हैं। हालांकि, वर्ष 2014 में, जब बीजेपी सत्ता में आई तो कांग्रेस के भूपिंदर सिंह हुड्डा को जाना पड़ा, जो जाट समाज से ही आते हैं। क्योंकि बीजेपी ने तब मनोहर लाल खट्टर को सीएम बनाया जो एक पंजाबी खत्री समुदाय से सम्बन्धित हैं। जब 2019 में बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाई, तो उसने जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला का समर्थन लिया था, जो एक महत्वपूर्ण जाट नेता हैं। बीजेपी के लिए यह जीत इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि उसके खिलाफ यहां तगड़ी एंटी इनकंबेंसी लहर थी। जिससे पार्टी भी वाकिफ थी। इसलिये अंतिम समय में पार्टी ने नेतृत्व परिवर्तन किया और मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया। वहीं, राज्य बीजेपी अध्यक्ष मोहन लाल बडोली और पूर्व सांसद संजय भाटिया जैसे वरिष्ठ नेताओं तक को विधानसभा चुनावों से दूर रखने का फैसला उनकी रजामंदी से किया। क्योंकि गत लोकसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। 2024 के आम चुनावों में, बीजेपी ने 10 में से सिर्फ 5 लोकसभा सीटें जीतीं और महज 46.1 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस ने बाकी सीटें छीन लीं और 43.7 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। जबकि 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर 58 प्रतिशत था, जो अब 12 प्रतिशत घटकर 46.1 प्रतिशत रह गया। हालांकि विधानसभा चुनाव के आंकड़े अब बिलकुल अलग तस्वीर पेश करते हैं, जिससे भाजपा को भी सुकून मिली है। हरियाणा में मिली अप्रत्याशित बीजेपी के लिए आने वाले चुनावों के लिहाज से भी एक शुभ संकेत जैसा ही है, जिसकी शुरुआत महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनाव से होगी। फिर दिल्ली भी इससे प्रभावित होगी, क्योंकि उसके चारों ओर कमल खिला हुआ है। इस प्रकार हरियाणा ने बीजेपी को 2024 लोकसभा चुनावों के दौरान देखी गई अप्रत्याशित गिरावट को उलटने का पहला वास्तविक मौका दिया है। क्योंकि यहां की जीत से महाराष्ट्र, झारखंड और अंततः दिल्ली में भी बेहतर प्रदर्शन की नींव रखी जा सकती है। बशर्ते कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पर कतरने वाली सियासत को वह अंदरूनी तौर पर बढ़ावा नहीं दे। क्योंकि हरियाणा में भी सर्वाधिक मांग योगी की ही थी चुनाव प्रचार के दौरान। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में इस वर्ष के आखिर तक चुनाव होने वाले हैं। वहीं, झारखंड में भी जल्द ही चुनाव होंगे। संभव है कि दिल्ली का चुनाव भी इन राज्यों के साथ हो जाए। अगले वर्ष बिहार में भी चुनाव होंगे। इसलिए हरियाणा में जीत से बीजेपी को एक तरीके से आगामी चुनावों में जो नैतिक बढ़त हासिल होगी, वही उसकी वास्तविक पूंजी है।

जम्मू-कश्मीर के चुनावी नतीजों के निहितार्थ

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय जनता पार्टी ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करके एक तरह से इस नासूर को ही खत्म कर दिया। ऐसे में इसका चुनावी श्रेय भारतीय जनता पार्टी को मिलने की उम्मीद होना स्वाभाविक है। लेकिन विधानसभा चुनाव नतीजों ने पार्टी को निराश ही किया है। यहां पर राममंदिर आंदोलन और उस बीच हुए उत्तर प्रदेश के चुनावों की याद आना स्वाभाविक है। छह दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के बाद अव्वल तो होना चाहिए था कि आगामी चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को अपने दम पर भारी जीत मिलती। लेकिन 1993 के विधानसभा चुनावों में भाजपा सबसे बड़ा दल बनकर भले ही उभरी, लेकिन वह बहुमत से दूर रही। जनवरी 2024 में अयोध्या में भव्य राममंदिर बनकर तैयार हो गया। देश और दुनिया में राममंदिर को लेकर अलग तरह का उत्साह देखा गया। पांच सौ वर्षों के संघर्ष का अंत हुआ। इस संघर्ष की अगुआ भारतीय जनता पार्टी ही रही। इसलिए इस संघर्ष का उसे चुनावों में फायदा मिलना चाहिए था। लेकिन उलटबांसी देखिए कि कुछ ही महीनों बाद हुए लोकसभा चुनावों में अयोध्या वाली फैजाबाद सीट भारतीय जनता पार्टी हार गई। इस कड़ी में कोर मुद्दे से जुड़े इलाके जम्मू-कश्मीर में बीजेपी को चुनावी बढ़त ना मिलना, पार्टी के लिए तीसरा झटका कहा जा सकता है। जम्मू-कश्मीर में जिस नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है, उसका चुनावी वादा है कि राज्य की पुरानी स्थिति बहाल करेंगे यानी अनुच्छेद 370 को फिर से प्रभावी बनाएंगे। यह बात और है कि इस महत्वपूर्ण अनुच्छेद की बहाली जम्मू-कश्मीर की आधी-अधूरी विधानसभा के वश की बात नहीं है। लेकिन इस जीत के जरिए नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस नैतिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर दबाव बनाने की कोशिश तो जरूर ही करेंगी। इसका उसे राष्ट्रीय फायदा भले ही न मिले,लेकिन केंद्रीय सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परेशानी खड़ी करने का जरिया वे बनाते रहेंगे। वैसे भी भारत की राजनीति आज जिस मुकाम पर है, उसमें राजनीतिक दलों को सिर्फ अपने सियासी स्वार्थ और फायदे की चिंता है। उनकी प्राथमिकता में राष्ट्र बाद में आता है। इसलिए अंदरूनी मुद्दों को अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उछालने में दलों को कोई हिचक नहीं होती। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के लंदन और अमेरिका के भाषण इसके उदाहरण हैं। दुनिया में भारत का दबदबा भले ही बढ़ रहा हो, भारत तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था भले ही हो, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुछ ताकतें ऐसी भी हैं, जो भारत में उथल-पुथल देखना चाहती हैं। इसके लिए वे अपने तईं प्रयास भी करती रहती हैं। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की जीत को ये ताकतें बहाना बनाएंगी और यह नैरेटिव स्थापित करने की कोशिश करेंगी कि जम्मू-कश्मीर की मौजूदा स्थिति उसकी अवाम को ही स्वीकार्य नहीं है। इस बहाने घूम-फिरकर उसी तर्क को बढ़ावा दिया जाएगा, जो पाकिस्तान देता रहा है। जिसकी वकालत नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी जैसे दल भी करते रहे हैं। पाकिस्तान कश्मीर को लेकर जनमत संग्रह की बात करता रहा है तो नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी प्रकारांतर से पाकिस्तानी मंशा को ही आगे बढ़ाते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में भाजपा की चुनावी जीत ना मिलने के बाद वे फिर भाजपा के नजरिए को गलत साबित करने की कोशिश करेंगे । जम्मू-कश्मीर के चुनावी अभियान के दौरान विशेषकर कश्मीर घाटी के वोटरों के जो विचार सामने आ रहे थे, उससे ऐसे ही चुनाव नतीजों की उम्मीद थी। जिस घाटी में पत्थरबाजी रुक गई, जहां आतंकी घटनाओं पर लगाम लग गई, जहां ढाई दशक से पहले की तरह पर्यटकों की आमद बढ़ी, जहां अमन बढ़ा, वहां के लोग खुलकर कहते रहे कि उन्हें हिंदू राज नहीं चाहिए।

सड़क पर चलने के तरीकों से अनजान तो फिर कैसे रुकेंगे हादसे

सरकार द्वारा भले ही लाख दावें किये जाते हों कि वाहनों के चलाने के लिए जारी होने वाले ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने से पहले परीक्षा लेकर जांच परख कर ही लाइसेंस जारी होते हैं पर हकीकत कुछ और ही सामने आती है। कैड के दिल्ली के सर्वे में ही यह सामने आया है। दरअसल हम जब सड़क पर चलने के कानून कायदों से ही अनजान है या आधी अधूरी जानकारी है तो फिर सड़क हादसों में कमी लाने की बात अपने आप में बेमानी हो जाती है। एक और तो सड़क पर यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है तो दूसरी और नियमों की धज्जियां उड़ना आम है। यही कारण है कि साल दर साल सड़क हादसों में जिंदगी गंवाने वालों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। एक सर्वे के अनुसार दिल्ली के ही अधिकांश लोगों को सड़क सुरक्षा मानकों की जानकारी नहीं होती। यहां तक कि एक तरफ से दूसरी और सड़क क्रोस करने वाले अधिकांश लोग जहां ओवरब्रिज या अण्डरपास बना हुआ है उस तक से वाकिफ नहीं है। जेबरा क्रास के उपयोग की बात तो इसलिए कोई मतलब नहीं रखती की उस पर तो दो पहिया, चौ पहिया वाहन रेड लाइट पर अपने वाहन को रोकने में कोई परहेज ही नहीं बरतते। यही कारण है कि क्या पैदल चलने वाले और क्या वाहन चालक सड़क हादसों के आसानी से शिकार हो रहे हैं। बात थोड़ी समझ में कम आने वाली है पर इसे सिरे से खारिज भी नहीं किया जा सकता कि देश की राजधानी दिल्ली में निवास करने वाले 90 प्रतिशत लोगों को सड़क सुरक्षा मानकों की पूरी तरह से जानकारी नही है। साल दर साल सड़क हादसों और सड़क हादसों के कारण हताहत व मौत के मुंह में समाने वालों के आंकड़े कम होने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। कम्युनिटी अगेंस्ट ड्रंकन ड्राइविंग (कैड) द्वारा अगस्त, 2023 से 31 दिसबंर 2023 तक दिल्ली में कराये गये सर्वे की रिपोर्ट तो यही कह रही है। थोड़ी देर के लिए सर्वे रिपोर्ट को भी अत्यधिक बढ़ा-चढ़ा कर बताई हुई मान लें तब भी सड़क दुर्घटना के आंकड़ों से तो मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। एक बात और साफ हो जाती है कि जब देश की राजधानी दिल्ली के यह हाल है तो फिर गांव कस्बावासियों में सड़क सुरक्षा कायदों का पूरा ज्ञान होने की अपेक्षा करना पूरी तरह से बेमानी होगी। कैड के संस्थापक प्रिंस सिंघल की माने तो सड़क हादसों का सबसे बड़ा कारण लोगों को सड़क सुरक्षा मानकों की जानकारी नहीं होना है। सरकार द्वारा भले ही लाख दावें किये जाते हो कि वाहनों के चलाने के लिए जारी होने वाले ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने से पहले परीक्षा लेकर जांच परख कर ही लाइसेंस जारी होते है पर हकीकत कुछ और ही सामने आती है। कैड के दिल्ली के सर्वे में ही यह सामने आया है। सही मायने में लोगों को अधिकांश जानकारी क्यां करती है। यही कारण है कि नियमों की पालना के प्रति जो गंभीरता होनी चाहिए वह दिखाई ही नहीं देती। दिल्ली में ही 93 फीसदी लोगों को पता ही नहीं है कि ब्लेक स्पॉट कहां कहां है? सड़क पर चलने वाले 67 फीसदी लोग अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं। कहा तो यहां तक जाता है कि अधिकांश लोगों को दलालों के माध्यम से घर बैठे ड्राइविंग लाइसेंस मिल जाते हैं। ऐसे में सड़क हादसों में कमी की बात करना दिन में सपने देखने की तरह ही है। आज के हालात में घर से निकलने के बाद सकुशल वापिस पहुंचना किसी उपलब्धि से कम नहीं माना जाता। एक और सड़कों की हालात, दूसरी और यातायात का बढ़ता दबाव, तीसरा युवाओं में अत्यधिक आक्रामकता के चलते रोड रेज की घटनाएं और रही सही कसर यातायात नियमों की पूरी जानकारी नहीं होने से सड़क हादसों में कमी होने का नाम ही नहीं लिया जा रहा है।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5384

					9			6
					3	8	5	1
	6	2		1	5			
		7					6	
	2	1	9	7	6	3	8	
	3					1		
			4	5		9	7	
2	5	8	6					
4			3					

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5383

1	6	7	5	2	4	9	3	8
2	3	9	1	7	8	6	5	4
8	5	4	3	9	6	2	7	1
6	9	8	7	4	2	3	1	5
7	2	3	6	1	5	4	8	9
5	4	1	8	3	9	7	6	2
3	1	2	4	8	7	5	9	6
9	7	6	2	5	1	8	4	3
4	8	5	9	6	3	1	2	7

वर्ग पहेली 5384

संकेत: बाएं से दाएं

1. भारत की क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान जिनका जन्म दिवस 7 जुलाई 1981 है, जिन्हें माही के नाम से जाना जाता है (7)
6. स्थिति, दशा, अवस्था (2)
7. [illegible] (2)
8. [illegible] (2)
10. नाना का घर, ननिहाल (4)
12. एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने की [illegible] क्रिया, प्रयाण, यात्रा (3)
13. [illegible] (3)
15. [illegible] (3)
17. [illegible] (3)
19. [illegible] (4)
22. [illegible] (2)
23. [illegible] की 1977 की एक फिल्म (5)
24. [illegible] (2)

ऊपर से नीचे

1. [illegible] (4)
2. [illegible] (3)
3. [illegible] (3)
4. [illegible] (2)
5. [illegible] (4)
9. [illegible] (3)
11. [illegible] (2)
12. पंजाब की पांच नदियों में से एक जिसका पौराणिक नाम शतद्रु है (4)
14. पूत, बेटा (2)
16. [illegible] (4)
17. [illegible] (3)
18. [illegible] (3)
20. [illegible] (3)
21. [illegible] (3)

वर्ग पहेली 5383 का हल

आज का राशिफल

मेष: [illegible] शुभांक-3-4-7

वृषभ: [illegible] शुभांक-2-6-7

मिथुन: [illegible] शुभांक-1-2-5

कर्क: [illegible] शुभांक-1-6-9

सिंह: [illegible] शुभांक-5-6-8

कन्या: [illegible] शुभांक-4-6-9

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible] शुभांक-4-7-8

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible] शुभांक-1-6-7

मीन: [illegible] शुभांक-2-5-7

जन-जन की आवाज है मंदसौर को संभाग बनाओ

पोस्टकार्ड अभियान के दसवें दिन सकल जैन समाज, ओसवाल लोढ़े साथ और रोटरी क्लब ने की सहभागिता

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत गांधीचौराहा पर चल रहे पोस्टकार्ड अभियान के 10वें दिवस सकल जैन समाज, ओसवाल लोढे साथ जैन समाज और रोटरी क्लब के प्रतिनिधियों में सहभागिता निभाई और प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम पोस्टकार्ड लिखे।

सकल जैन समाज के अध्यक्ष दिलीप लोढा ने इस अवसर पर कहा कि मंदसौर क्षेत्र को विकास की दौड़ में संभाग बनने से और अधिक गति मिलेगी। हम मंदसौर क्षेत्र के निवासियों की शासन से यह न्यायोचित मांग है जिसे पूरा करना चाहिए। ओसवाल लोढे साथ समाज के अध्यक्ष सुरेंद्र नलवाया ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाने के लिए जन आंदोलन किया जा रहा है यह आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए है, क्योंकि संभाग बनने से मंदसौर नगर और इस क्षेत्र को जो सौगातें प्राप्त होगी उससे नई पीढ़ी लाभान्वित होगी और उन्हें महानगरों की ओर पलायन नहीं करना पडेगा। रोटरी क्लब अध्यक्ष योग गुरू सुरेंद्र जैन ने कहा कि संभाग बनाने के लिए किए जा रहे इस आंदोलन को जन-जन का समर्थन मिल रहा है और हमें पूरा विश्वास है कि मंदसौर नगर और इस क्षेत्र की जनता का यह संघर्ष जरुर परिणाम लाएगा और सरकार मंदसौर को संभाग बनाएगी। इस अवसर पर सकल जैन समाज के अध्यक्ष दिलीप लोढा, तथा वरिष्ठजन जवाहरलाल जैन, कांतिलाल रातडिया, जितेंद्र कुमार डोसी, ओसवाल लोढे साथ समाज के अध्यक्ष सुरेन्द्र नलवाया, शिखर डूंगरवाल, रत्नेश कुदार, विजय सुराणा, विकास भंडारी सीए, विपिन मेहता, कमल कोठारी, प्रवीण उकावत, विनोद कुदार, नवीन जैन, रोटरी क्लब अध्यक्ष योग गुरू सुरेंद्र जैन, रितेश भगत, राकेश दोषी, दिनेश जैन सीए, पवन पोरवाल, दिनेश रांका, संजय गोठी, राजेश सिंघवी, मनीष जैन तथा श्याम सुंदर देशमुख आदि उपस्थित थे। पोस्टकार्ड अभियान में सर्वश्री अजीजुल्लाह खान, बंशीलाल टांक, श्रीमती सीमा चोरडिया और राधेश्याम मालवीय अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह जानकारी कार्यालय प्रभारी प्रदीप भाटी ने दी।

आज तीन संगठन होंगे सहभागी–मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक नरेंद्र अग्रवाल व ब्रजेश जोशी ने बताया कि मंदसौर को संभाग बनाने के आंदोलन के अंतर्गत चल रहे पोस्टकार्ड अभियान के 11 वें दिन सक्षम संस्था, मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ गुरु सिंह सभा तथा मालवीय जीनगर समाज के प्रतिनिधि सहभागी होंगे।

गांधीसागर फारेस्ट रिट्रीट एण्ड फेस्टिवल के तीसरे संस्करण में मिलेगा...

प्रकृति और रोमांच का बेमिसाल अनुभव

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट एंड फेस्टिवल ने अपने तीसरे संस्करण की घोषणा की है। यह आयोजन मंदसौर के खूबसूरत जिले, गांधीसागर में होने जा रहा है, जिसे भारत का हृदयस्थल कहा जाता है। 14 अक्टूबर, 2024 से शुरू होने जा रहा यह फेस्टिवल प्रकृति, रोमांच और संस्कृति को जोड़ने वाला एक शानदार अनुभव होगा।

यह फेस्टिवल गांधीसागर को शीर्ष पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने की एक दशक पुरानी पहल का हिस्सा है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करना और देशी व विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करना है। यह फेस्टिवल सभी उम्र के लोगों के लिए विभिन्न गतिविधियों और आकर्षणों के साथ मध्य प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य को उजागर करेगा। प्रमुख सचिव- पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध निदेशक मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा, 'गांधीसागर फेस्टिवल मंदसौर के बेहद समीप गांधीसागर के शांत बांध में शुरू होने जा रहा है। यह इसमें शामिल लोगों को रोमांच, मनोरंजन और सांस्कृतिक अनुभवों का एक रोमांचक मिश्रण प्रदान करेगा। हम पर्यटकों को आमंत्रित करते हैं कि वे अधिक से अधिक संख्या में यहाँ आएँ और विभिन्न रोमांचक एडवेंचर एक्टिविटीज में शामिल हों। यह फेस्टिवल विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को भी प्रदर्शित करेगा, जिसमें पारंपरिक कला, प्रदर्शन और स्थानीय व्यंजन शामिल हैं।'

लाइव म्यूजिक परफॉर्मेंस में रोमांचक परफॉर्मेंसेस के साथ- साथ एयर एडवेंचर एक्टिविटीज़ जैसे हॉट एयर बैलूनिंग और पैरामोटरिंग का रोमांच का अनुभव किया जा सकेगा, जो फेस्टिवल में उपस्थित लोगों को गांधीसागर के खूबसूरत नजारों से रूबरू होने का मौका देगा। वॉटर एडवेंचर एक्टिविटीज़ में भी बहुत कुछ है। वॉटर स्पोर्ट्स में जेट स्कीइंग, कयाकिंग, मोटर बोटिंग, बनाना बोटिंग और ड्रैगन बोटिंग शामिल होगी। इसके अलावा, लैंड एक्टिविटीज़ एडवेंचर के लिए रोप कोर्स, जिप लाइनिंग, एटीवी राइड और शूटिंग आदि का भी मजा लिया जा सकेगा। अधिकतम आराम के लिए डिज़ाइन किए गए प्रीमियम सुविधाओं वाले टेंटस इस वर्ष के फेस्टिवल की शोभा बढ़ाएँगे, जो सभी मौसमों के अनुकूल हैं। मेहमान न सिर्फ स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद ले सकेंगे, बल्कि विभिन्न प्रकार के इनडोर स्पोर्ट्स में भी शामिल हो सकेंगे। वर्ष 2024 के लिए नई सुविधाओं में फेस्टिवल में एयर एक्टिविटीज़ जैसे हॉट एयर बैलूनिंग, पैरामोटरिंग और म्यूजिक परफॉर्मेंस के लिए दिनों की संख्या बढ़ा दी गई है। यह फेस्टिवल के समग्र अनुभव को बढ़ाएगा। इसके अलावा, आस-पास के आकर्षणों को एक्सप्लोर करने के लिए अद्वितीय अवसर मिलेंगे, जिनमें राजसी गांधीसागर बांध, आकर्षक रॉक कला पेंटिंग, खूबसूरत 'मिनी गोवा', ऐतिहासिक हिंगलाज किला आदि शामिल हैं। गांधीसागर फॉरेस्ट रिट्रीट की परिभाषा सिर्फ एक फेस्टिवल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आपको मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत से रूबरू होने के लिए आमंत्रित करता है। यह एक ऐसा फेस्टिवल है, जो आपको अविस्मरणीय यादें बनाने और रोमांच और प्रकृति के साथ नए सिरे से जुड़ने का अवसर प्रदान करता है।

पोरवाल महिला महासभा द्वारा सामाजिक आयोजनों, गतिविधियों की रुपरेखा तैयार

नाहरगढ़, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय पोरवाल महिला महासभा (मप्र इकाई) द्वारा बनाये गए वार्षिक गतिविधि कैलेंडर के अनुसार वर्तमान व आगामी समय मे होने वाले सामाजिक आयोजनों, गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार की गई हैं।

इस सम्बन्ध मे अधिक जानकारी देते हुवे पोरवाल महिला महासभा (मध्यप्रदेश इकाई) की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सुनीता मुजावदिया मंदसौर, प्रदेश महामंत्री श्रीमती गायत्री डपकरा गरोठ, प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती ललिता गुप्ता नाहरगढ ने बताया की संगठन के वार्षिक गतिविधि कैलेंडर के अनुसार वर्तमान मे महिला महासभा की नगर ईकाइयों द्वारा माँ की आराधना के पर्व नवरात्री के पावन अवसर पर कन्या पूजन व चुनर यात्रा का आयोजन किया जा रहा है, इसी के साथ अपनी विलुप्त होती सनातन संस्कृति व सभ्यता को सहेजने के लिए सँझा प्रतियोगिता व लड्डूगोपाल (ठाकुरजी) को सजाकर उनका श्रृंगार करना प्रतियोगिता का आयोजन अभी किया गया। इसी क्रम मे महिला महासभा द्वारा पुरातन संस्कृति से इस पीढी को अवगत करवाने के उद्देश्य से पगलिया प्रतियोगिता व आगामी दीप पर्व पर रांगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जा रहा है, जिसकेविजेता प्रतिभागियो को आगामी नवम्बर माह मे दीपावली मिलन समारोह मे पुरुस्कृत किया जावेगा। इसी के साथ दिसंबर माह मे निःशुल्क सर्व रोग निदान शिविर (स्वास्थ्य शिविर) व माह जनवरी मे बालिकाओं व महिलाओ को सामाजिक कुरीतियों से बचाने, महिला शिक्षा, महिला आत्मनिर्भरता के लिए स्वरोजगार से जोड़ने, संस्कृति से जुड़े रहने, नारी सशक्तिकरण, कॅरियर गाइडेन्स जैसे विषयो पर निःशुल्क सेमिनार / शिविर का आयोजन एवं तुलसी विवाह (कन्या विवाह) का भव्य आयोजन करने की कार्ययोजना पोरवाल महिला महासभा ने तैयार की है।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर पुलिस कॉलोनी मंदसौर में शक्ति संवाद एवं साइबर सुरक्षा विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को साइबर फ्रॉड से बचने हेतु आवश्यक सावधानियां रखने एवं जागरूक रहने की जानकारी दी गई। ऑनलाइन ठगी से बचने हेतु आवश्यक टिप्स दिए गए। ममता हेल्थ इंस्टीट्यूट फॉर मदर एंड चाइल्ड की ओर से श्री सोनिक मिश्रा द्वारा साइबर सुरक्षा संबंधी विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर शौर्य दल, एन सी सी एवं स्काउट एवं गाइड में उत्कृष्टकार्य करने वाली बालिकाओं को सम्मानित किया गया।इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, सहायक संचालक श्री पीसी चौहान, बी आर मुजाल्दे एवं अन्य स्टाफ उपस्थित थे।

नवान्ह परायण पाठ का समापन आज

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा में नवरात्र एवं विजयादशमी महोत्सव पर आज 12 अक्टूबर 2024, शनिवार को प्रात: 9 बजे संतों के सानिध्य में 9 दिवस तक हुए सामूहिक रामचरित मानस (रामायण) नवान्ह परायण पाठ का समापन होगा। साथ ही पूजन अर्चन, हवन, आरती व प्रसादी वितरण होगा। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा ट्रस्ट अध्यक्ष जगदीशचन्द्र सेठिया, सचिव कारूलाल सोनी, उपाध्यक्ष राधेश्याम गर्ग, जयप्रकाश गर्ग, कोषाध्यक्ष मदनकुमार गेहलोत, सहसचिव प्रवीण देवडा, न्यासीगण बंशीलाल टांक, प्रहलाद काबरा, सत्यनारायण सोमानी, जगदीशचन्द्र गर्ग, संतोष जोशी, जगदीशचन्द्र भावसार, महेश गर्ग अजय मित्तल, अजय सिखवाल, राजेश तिवारी, सूरजपालसिंह तोमर ने सभी धर्मालुजनों से उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की है।

जिला पशु कल्याण समिति की बैठक 14 को

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। पशुपालन विभाग उप संचालक ने बताया कि जिला पशुकल्याण समिति की बैठक कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में 14 अक्टुबर 2024 को आयोजित होगी। बैठक सुशासन भवन सभागार मे दोपहर 1:30 बजे आयोजित होगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम का एलान

नईदिल्ली, 11 अक्टूबर। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टेस्ट टीम का एलान कर दिया है। इसमें रोहित शर्मा को कप्तान और जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान बनाया गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 अक्तूबर से शुरू होने जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टेस्ट टीम का एलान कर दिया है। इसमें रोहित शर्मा को कप्तान और जसप्रीत बुमराह को उपकप्तान बनाया गया है। तेज गेंदबाज को आगामी सीरीज के लिए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सीसीटीवी कैमरे की मदद से लावारिस मिले बच्चे के पिता का पता लगाया

रतलाम, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। रतलाम पुलिस ने शुक्रवार सुबह लावारिस मिले 3 वर्षीय बच्चे की गुत्थी 10 घंटे के भीतर सुलझा दी। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की मदद से बच्चे के पिता का पता लगाया। फिलहाल बच्चे की काउंसलिंग कर चाइल्ड हेल्पलाइन के सुपुर्द किया गया है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह 10 बजे थाना दीनदयाल नगर में बाजना बस स्टैंड स्थित दख एजेंसी पर एक 2 से 3 साल के बच्चे के बैठे होने की सूचना मिली जिस पर पुलिस ने तत्काल प्रभाव से बच्चे के माता पिता की सर्चिंग शुरू की गई जिस क्रम में डीडी नगर थाने से चीता पार्टी मौके पर पहुंची व बच्चे को लेकर बाजना बस स्टैंड वा आस पास के क्षेत्र में जांच करने पर बच्चे के परिजनों का पता नहीं चला जिस पर बच्चे को थाने पर लेकर आए। जिसके बाद थाना डी डी नगर से आरक्षक 1132 पवन जाट द्वारा सीसीटीवी कंट्रोल रूम आकर सूचना दी गई जिस आधार पर बाजना बस स्टैंड पर स्थित सीसीटीवी कैमरे देखे गये जिसमे बच्चे को एक अज्ञात व्यक्ति छोड कर जाते दिखाई दिया जिसको लकडपीठा वाईन शॉप के कैमरा में भी देखा गया जिसकी सूचना थाना पुलिस को दी गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उक्त अज्ञात व्यक्ति को ढूंढ कर थाने ले जाकर पूछताछ करने पर बच्चे का पिता संजू निनामा पिता कोदार निनामा ग्राम चरपोट का होना बताया गया बच्चे को थाना पुलिस द्वारा चाइल्ड हेल्प लाइन के सुपुर्द किया गया वा बच्चे के पिता से पूछताछ कर रहे वा बच्चे की मां को थाने पर बुलाया गया है!

पैसेंजर ट्रेन के 6 डिब्बे पटरी से उतरे, 19 लोग घायल, किसी की मौत नहीं

चैन्नई, 11 अक्टूबर। तमिलनाडु में शुक्रवार रात 9 बजे मैसूर-दरभंगा एक्सप्रेस (12578) मालगाड़ी से टकरा गई। हादसा कवराईपेट्टई रेलवे स्टेशन के पास हुआ। इस स्टेशन की चेन्नई से दूरी 41 किमी है। दक्षिणी रेलवे के मुताबिक, हादसा रात 8।30 बजे हुआ। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। 19 लोग घायल हुए हैं। उन्हें नजदीकी अस्पतालों में एडमिट कराया गया है। चेन्नई सेंट्रल से मेडिकल रिलीफ वैन और रेस्क्यू टीमें घटनास्थल पर पहुंची है। न्यूज एजेंसी झढख के मुताबिक, बागमती एक्सप्रेस ने रात 8।27 बजे पोन्नेरी स्टेशन क्रॉस किया था। लोको पायलट के मुताबिक ट्रेन में जोर का झटका लगा। इसके बाद ट्रेन मेन लाइन छोड़कर लूपलाइन में चली गई और ट्रैक पर खडी मालगाड़ी को पीछे से टक्कर मारी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हादसे के वक्त बागमती एक्सप्रेस की स्पीड 75 KMPH से ज्यादा थी। हालांकि, रेलवे ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

उमर अब्दुल्ला ने सरकार बनाने का दावा किया पेश

जम्मू, 11 अक्टूबर। जम्मू कश्मीर में 13 अक्तूबर को उमर अब्दुल्ला शपथ ले सकते हैं। शुक्रवार शाम को राज भवन जाकर उन्होंने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

जम्मू कश्मीर में सरकार बनाने को लेकर उमर अब्दुल्ला ने दावा पेश कर दिया है। उन्होंने शुक्रवार को राज भवन जाकर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि 13 अक्तूबर को शपथ ग्रहण समारोह हो सकता है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात के बाद जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा ने कहा कि मैंने एलजी से मुलाकात की और कांग्रेस, सीपीएम, आप और निर्दलीयों से मिले समर्थन पत्र सौंपे।

क्रिश कोठारी करेंगे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिनिधित्व

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। विगत दिनों रतलाम में आयोजित इंटर कॉलेज की संभाग स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में मंदसौर के शतरंज खिलाड़ी क्रिश कोठारी ने भाग लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में जीत हांसिल कर क्रिश कोठारी अब 18 से 20 अक्टूबर को जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में विक्रम विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

क्रिश कोठारी पी.जी. कॉलेज मंदसौर के छात्र है तथा वह शतरंज के बेहतरीन खिलाड़ी होकर नवोदित खिलाड़ियों को शतरंज सिखाते भी है। क्रिश इसके पूर्व इंटर कॉलेज की जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता बने थे जिस आधार पर उनका चयन इंटर कॉलेज संभागीय स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता में हुआ था। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में सात जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। क्रिश कोठारी जिला पेंचक सिलाट के अध्यक्ष व भारतीय सिन्धू सभा युवा शाखा के प्रदेश उपाध्यक्ष विजय कोठारी के पुत्र है।

क्रिश कोठारी की इस उपलब्धि पर पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता, खेल अधिकारी राजू कुमार, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के जिला खेल अधिकारी विजयेन्द्र देवडा, जिला शिक्षा विभाग के जिला खेल अधिकारी बंशीलाल बारिवाल, पी.जी. कॉलेज के प्रोफेसर चन्द्रप्रकाश आडवानी, सिंधी समाज के वरिष्ठ दृष्टानन्द नैनवानी, देवीदास हरवानी, वासुभाई सेवानी, नन्दूभाई आडवानी, शंकर चंदानी, वासुदेव चंदवानी, दुर्गेश बेलानी, दिनेश चंदवानी, दिलीप साधवानी, प्रकाश लालवानी, डॉ. गिरीश शर्मा, हेमन्त पमनानी, जितेन्द्र हरवानी, हेमन्त कोतक, जीतू कोठारी, हरीश कोठारी, दिलीप कोतक, रूपेश चंदवानी, प्रदीप तेजवानी, कमलेश बुलचंदानी, म.प्र. शतरंज संघ के ज्वाइंट सेक्रेटरी मयंक मावर, मिक्स मार्शल आर्ट के संचालक गगन कुरील, सुनील ग्वाला, सैय्यद आफताब आलम, अशोक माली, आईसीएच ग्रुप के संचालक हितेश साल्वी, कमलेश डोसी आदि इष्ट मित्रों ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

स्वामी विवेकानन्द रांगोली प्रतियोगिता कल

विनर क्लब पदाधिकारियों ने किया प्रतियोगिता स्थल का निरीक्षण, आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाई

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की धार्मिक एवं सामाजिक संस्था विनर क्लब द्वारा दीपावली त्यौहार के अंतर्गत भव्य स्वामी विवेकानन्द रांगोली प्रतियोगिता का आयोजन 13 अक्टूबर, रविवार को दोप. 2 बजे से अग्रसेन मांगलिक भवन नरसिंहपुरा में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतियोगियों को क्लब द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही अन्य प्रतियोगियों को सांत्वना पुरस्कार भी दिए जायेंगे। शुक्रवार को विनर क्लब पदाधिकारियों ने प्रतियोगिता स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाई।

उक्त जानकारी देते हुए क्लब के संस्थापक अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया ने बताया कि हिन्दू धर्म का सबसे बडा त्यौहार दीपावली पर्व पर हर घर में महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा रंगोली बनाई जाती है। रंगों की इस परम्परा को विस्तृत रूप देते हुए क्लब द्वारा यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता महिलाओं एवं बालिकाओं के लिये रखी गई है। प्रतियोगियों को रांगोली कलर आदि सामग्री स्वयं लानी होगी। इस अवसर पर क्लब के बंसीलाल टॉक नटवर पारीख विजय कोठारी, विनय दुबेला, शंभूसेन राठौर, विजय गेहलोद, नवीन खोखर, बृजेश सेन मारोठिया शुभम मारोठिया आदि ने अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं से प्रतियोगिता में भाग लेकर देश की संस्कृति से जुडने का आव्हान किया है। उक्त जानकारी शुभम मारोठिया ने दी।

मंदसौर को संभाग बनाया जाना बहुत जरूरी है

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर को संभाग बनाया जाना बहुत जरूरी है। पर्यटन के ऐतिहासिक स्थलों , व्यापारिक मंडियों की बहुलता , भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से मंदसौर को संभाग बनाया जाना बहुत जरूरी है। भौगोलिक दृष्टि से देखें तो मंदसौर और नीमच का कुल क्षेत्रफल 94005 वर्ग किलोमीटर के लगभग है सिंगोली से मंदसौर की दूरी देखें तो मात्र 128 किलोमीटर होती है जबकि सिंगोली से रतलाम की दूरी 226.1 किलोमीटर होती है इस प्रकार से दूर क्षेत्र में बसी जनता व शासकीय कर्मचारियों के लिए भी मंदसौर संभाग बनाया जाना बहुत जरूरी है , इससे शासन व व दोनों जिलों के लिए फायदेमंद है। समय व अर्थ दोनों में बचत होगी। यदि तहसीलों के मान से भी देखें तो मंदसौर और नीमच को मिलाकर कुल 15 तहसील होती है और सात ब्लॉक होते हैं जबकि रतलाम जिले का क्षेत्रफल 4861 वर्ग किलोमीटर व मात्र 9 तहसील व 4 ब्लाक ही हैं रतलाम से उज्जैन की दूरी मात्र 103 किलोमीटर ही है। अत: मंदसौर संभाग बनाए जाने से सुदूर क्षेत्र के निवासियों व शासकीय कार्यों के लिए सुविधाजनक व लाभकारी ही होगा। मंदसौर को संभाग बनाएं जाने से रतलाम को कोई नुकसान नहीं है वह तो पहले ही लाभांवित है।

मंदसौर को संभाग बनाए जाने से क्षेत्र के विकास को बल मिलेगा। अत: मंदसौर को संभाग बनाए जाना बहुत जरूरी है।

भगवती प्रसाद गेहलोत (साहित्यकार)

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शक्ति संवाद कार्यक्रम सम्पन्न

नीमच, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। महिलाओं को मध्यप्रदेश शासन द्वारा सक्षम बनाने के लिये विभिन्न प्रकार की योजनाओं का निर्माण किया गया है तथा महिलाओं को पुरूषों के समान अधिकार हमारे संविधान द्वारा प्रदाय किये गये हैं। आज की महिलायें अपने सामर्थ, लगन एवं शौर्य से समाज में अपना विशेष स्थान प्राप्त कर रही है। आज की महिलायें सभी क्षेत्रों में अपना परचम फहरा रही है। समाज के पुरूषों को भी महिला सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुऐ उन्हे आगे बढने के लिये प्रोत्साहित किया जाना चाहिये एवं महिला सुरक्षा प्रदान करते हुये उन्हे सम्मानित किया जाना चाहिये। उक्त विचार विधायक नीमच श्री दिलीपसिंह परिहार, द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला एवं बालिका सशक्तिकरण जागरूकता हेतु बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना के तहत शक्ति अभिनन्दन अभियान केसमापन समारोह के अवसर पर जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये गये।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्री ताराचन्द मेहरा, जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा 11 अक्टूबंर तक आयोजित शक्ति अभिनन्दन अभियान अन्तर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी उपस्थित महिलाओं का प्रदाय की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नीमच श्री अरविन्द डामोर, ने अपने सम्बोधन में कहां कि घर, बाहर एवं कार्यक्षेत्र में महिलाओं को सुरक्षा एवं सम्मान प्रदाय करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। महिला शक्ति संवाद कार्यक्रम में डा.कृष्णकान्त जैन, आयोग मित्र, मानव अधिकार आयोग, श्रीमती सीमा गर्ग, जिला प्रमुख, आर्ट आफ लिविंग एवं श्री के.एल.पटेल, पुलिस निरीक्षक द्वारा महिला सुरक्षा एवं सम्मान पर उपस्थित महिलाओं को सम्बोधित किया गया। शक्ति संवाद कार्यक्रम में सामाजिक क्षेत्र एवं क्रिडा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 35 महिलाओं एवं बालिकाओं को सम्मानित किया गया तथा कार्यक्रम के अन्त में विधायक श्री परिहार द्वारा उपस्थित प्रतिभगियों को महिला सुरक्षा एवं सम्मान शपथ दिलाई गई। शक्ति संवाद कार्यक्रम का संचालन श्री सुभाष गवई अधीक्षक द्वारा किया गया।

शस्त्र पूजन के बाद शस्त्र के साथ हुआ गरबे का आयोजन

आज दशहरे पर शाम को 5 बजे मां के दरबार में महाप्रसादी का आयोजन

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित देश में भर में शारदीय नवरात्रि का पर्व बडे धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी के चलते हैं मंदसौर शहर के प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी मां भवानी गरबा मंडल कैलाश मार्ग श्री जंगली हनुमान समिति द्वारा माताजी की प्रतिमा स्थापित की गई, एवं नौ दिनों तक माता की आराधना की गई। सप्तमी के दिन मां के दरबार में नारी शक्ति द्वारा शस्त्र पूजन किया गया एवं नारी शक्ति द्वारा शस्त्र को अपने हाथों में लेकर गरबा खेला गया। नारी शक्ति द्वारा अपनी ताकत का परिचय दिया गया। अष्टमी के दिन मां के दरबार में ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया ड्राइंग प्रतियोगिता में छोटी-छोटी बालिकाओं द्वारा मां के 9 ही दिन के स्वरूप सहित माता का वर्णन किया गया। और मां भवानी गरबा मंडल समिति द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों को इनाम दिया गया इस प्रतियोगिता में छोटे-छोटे बच्चों ने बढ-चढक़र के भाग लिया।

महाप्रसादी का अयोजन आज–हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माता की नो दिनों की आराधना के बाद आज दशहरें पर्व पर महाप्रसादी का आयोजन रखा गया है। महाप्रशादी का आयोजन आज शाम को 5 बजे शुरू होगा। आप सभी माता के भक्तों से मां भवानी गरबा मंडल कैलाश मार्ग श्री जंगली हनुमान समिति के सभी सदस्य ने निवेदन किया है की आप सभी माता के भक्त अधिक से अधिक संख्या में पधारें और महाप्रसादी का लाभ लें। एवं मां भवानी गरबा मंडल में जो माताएं बहने नौ दिनों से गरबा खेल रही थी उन माता तथा बहनों एवं छोटी बालिकाओं को मां भवानी गरबा मंडल समिति द्वारा महाप्रशादी आयोजन के बाद इनाम वितरित किया जाएगा। इसके पश्चात माता का विसर्जन किया जाएगा। उक्त जानकारी पत्रकार उमेश सुहाना द्वारा दी गई।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण में आज बेटियां करेगी शस्त्र पूजा और शस्त्र प्रदर्शन, शस्त्र भेंट करेंगे

युवधर्म द्वारा आयोजित 'शक्ति की आराधना' संजय गांधी उद्यान में सार्वजनिक प्रदर्शन के साथ होगा सम्पन्न

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। संस्था युवधर्म द्वारा आयोजित नौ दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शक्ति की आराधना का समापन आयोजन दशहरा पर्व पर संजय गांधी उद्यान में शाम 4 से आरंभ होगा।

इस अवसर पर बेटीयो द्वारा शस्त्र पुजन करवाया जाएगा। प्रशिक्षण में शिक्षित बेटीयो को सांकेतिक शस्त्र भेंट किये जाएंगे। असत्य पर सत्य की विजय के पर्व पर आयोजित इस सार्वजनिक आयोजन में बेटीयो द्वारा प्रशिक्षण नियुध्द, दंड एवं तलवार बाजी का सार्वजनिक प्रदर्शन किया जाएगा। आयोजन में अतिथि संघर्ष से अपने जीविका निर्वाह करने वाली मातृशक्ति को बनाया गया है। आयोजन का आरंभ महिषासुर मर्दिनी की आराधना से आरंभ होगा। इसके पश्चात बेटीयो द्वारा शस्त्र पूजा करवाई जाएगी। नियुध्द फिर दंड एवं तलवार का आत्मरक्षा के लिए प्राप्त प्रदर्शन का सार्वजनिक प्रदर्शन होगा। उल्लेखनीय है कि उक्त आयोजन में 130 सेअधिक बेटीयो द्वारा आत्मरक्षा प्रशिक्षण लिया जा रहा है। नौ दिवस केइस आयोजन में बेटीयो को गुड टच बेड की जानकारी भी दी गयी। संस्था युवधर्म द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में प्रशिक्षित बेटीयो को सांकेतिक शस्त्र भेंट किए जाएंगे। नवें व अंतिम दिवस बेटियो ने शस्त्र कला एवं नियुध्द कला के प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण ले रही बेटीयो के माता पिता एवं संस्था के परिजन सम्मिलित होगे। आठवें दिवस कन्या महाविद्यालय, डेक्सटर, दशपुर विद्यालय, शिशुवन, एडिफाइ, सेन्ट थामस विद्यालय की महिला अध्यापको ने आरती में सम्मिलित होकर पुण्य लाभ लिया।

छाए रहे बादल, रविवार तक ऐसा ही रहेगा मौसम

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में दो सिस्टम की एक्टिविटी के चलते मौसम बदला हुआ है। इसी के चलते अंचल में शुक्रवार को कुछ क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई। वहीं दिनभर बादल छाए रहे।

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन ऐसा ही मौसम बना रहेगा। आज शनिवार और कल रविवार को भी जिले के एक दो स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी की संभावना है। जिले के अधिकांश क्षेत्रों में बादल छाए रहेंगे, 13 अक्टूबर तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है। वहीं जिले में अधिकतम तापमान 33 डिग्री व न्यूनतम तापमान 22 डिग्री के आसपास बना हुआ है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) आने वाले दिन में डिप्रेशन में बदल जाएगा। यह सिस्टम आगे बढ़ेगा। इससे एमपी में गरज-चमक और हल्की बारिश का दौर बना रहेगा। साइक्लोनिक सकुर्लेशन की वजह से भी ऐसा मौसम बना हुआ है।

मौसम विभाग ने अगले 3 दिन यानी, 11, 12 और 13 अक्टूबर तक प्रदेश में गरज-चमक और हल्की बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। ऐसे में अब दशहरे के बाद ही मानसून की विदाई होगी। बता दें कि पिछले 2 साल से नवरात्रि और दशहरे पर बारिश हो रही है। मौजूदा सिस्टम की वजह से इस बार भी कुछ जिलों में बारिश होने की संभावना है।

20-21 अक्टूबर से बढ़ेगी ठंडक

मौसम विभाग के अनुसार 20 अक्टूबर तक प्रदेश में ठंडक बढने का अनुमान है। रात में पारा 20 डिग्री के नीचे पहुंच सकता है। हालांकि दिन में तापमान 33-34 डिग्री के बीच ही रहेगा। अक्टूबर के आखिरी में दिन के तापमान में भी कमी आएगी।

बड़े अस्पताल में सिंगल डोनर प्लेटलेट मशीन लगाने की मांग

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। जिला मे डेंगू बुखार पीडित मरीजों के प्लेटलेटस कम हो रहे है। सीएमएसओं के अनुसार डेंगू मरीज बढ रहे है। सिंगल डोनर प्लेटलेट (एसडीपी) मशीन की ज्यादा जरूरत है। एसडीपी मशीन से एक डोनर एक साथ 30 से 35 हज़ार यूनिट प्लेटलेटस दे सकता है। एसडीपी मशीन की मांग को लेकर रूरल पब्लिक सर्विसेस के डॉयरेक्टर राधेश्याम मारू ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्विटर के माध्यम से मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, श्री राजेन्द्र शुक्ल उप मुख्यमंत्री लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, श्री जगदीश देवडा उप मुख्यमंत्री वाणिज्यिक कर वित्त, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग से जनहित मे मांग प्रेषित करते हुए कहा की शा. जिला चिकित्सालय मंदसौर मे डेंगू के सीजन में सिंगल डोनर प्लेटलेट (एसडीपी) मशीन की ज्यादा जरूरत है। शासन उक्त जनहितेषी उक्त मांग पर अमल करते हुए संबधित विभाग को एसडीपी मशीन के लिए आदेशित करे ताकि एसडीपी मशीन से निकाली गई प्लेटलेटस, थ्रोम्बोसाइटोपेनिया के कारण होने वाले तीव्र रक्तस्राव का इलाज करने या अस्थि मज्जा अप्लासिया वाले मरीज़ों में रक्तस्राव से बचाव मे सुविधा हो।

आर्य समाज में आज मनेगा विजयादशमी पर्व

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। आर्य समाज प्रधान मधुसूदन आर्य ने बताया कि आर्य समाज में आज विजयादशमी पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। आज 12 अक्टूबर 2024, शनिवार को प्रात: 9 बजे यज्ञ होगा उसके उपरांत दशहरा पर्व पर आर्य समाज के विद्वानों द्वारा प्रकाश डाला जाएगा तत्पश्चात् प्रसाद वितरण होगा। और दशहरा मिलन समारोह मनाया जायेगा। आर्य समाज प्रधान मधुसूदन आर्य ने सभी आर्य समाजी व नागरिकगण से आव्हान किया है कि उक्त आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होवे।

चोरों के हौसले बुलन्द, सीसीटीवी में कैद

सुवासरा, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर में गुरुवार को फिर एक बार चोरी या लूट की वारदात हो सकती थी। कुछ संदिग्ध लोग सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए। एक बार फिर नगर में गुरुवार को बडी वारदात को अंजाम दे सकते थे। नगर के धान मंडी रोड पर पांच संदिग्ध युवा बैंक आफ इंडिया और दो कियोस्क पर रैकी करते देखे गए। जहां एक बैंक ऑफ इंडिया कियोस्क संचालक के यहां ये संदिग्ध युवक बारी बारी से पहुंचे। और यहां पर पैसे निकालने आये अन्य एक युवक की जेब से इन संदिग्ध में से एक ने बडी सफाई से मोबाइल चुरा लिया। बाद में फरियादी नाहर सिंह रोडसिंह ग्राम डोकरखेडी ने अपने साथ हुई चोरी का एक आवेदन थाना प्रभारी को भी दिया। इसके बाद थाने से आये कुछ पुलिसकर्मियों ने विभिन्न बैंको से अपनी सेल्फी लेकर इतिश्री कर ली। पुलिस सीसीटीवी में कैद हुए चेहरों को देखकर उनकी पहचान करने में लगी है। कुछ माह पहले इसी मार्ग पर एक कियोस्क संचालक से दो लाख रुपये से भरा बेग अज्ञात लुटेरे लेकर भाग गए थे। लेकिन पुलिस आज तक कोई पता नही लगा पाई। ये संदिग्ध कोई मोबइल तो चुराने नही आये थे लेकिन बडी वारदात में सफलता नही मिलने से मोबाइल लेकर ही रफूचक्कर हो गए। सुवासरा नगर कभी शांत एवं निर्विवाद नगर के रूप में जाना जाता था। लेकिन अब चोरी ,लूट ,और नशे की गिरफ्त में आता जा रहा है। प्रशासन और शासन केवल मूकदर्शक बने हुए है। हाल ही नगर बंद के बाद पुलिस ने सजगता दिखाते ताबडतोड सिंघम मोड में आयी और शराब और अन्य नशे के अवैध व्यापार से जुडे लोगों पर कसावट शुरू कर दी। लेकिन नशे के मुख्य कर्ताधर्ता अभी भी पुलिस की पकड से दूर है। पुलिस कप्तान की मंशानुरूप सुवासरा थाना काम नही कर पा रहा है। ऐसे में नगरवासियो को स्वयं अपने जान माल की सुरक्षा करना पडेगी। विधायक हरदीपसिंह डंग के गृहनगर में दिनोदिन अपराध बढते जा रहे है। लेकिन शासन प्रशासन का उदासीन रवैया जनता को परेशानी में डाल रहा है।

भारतीय संस्कृति के अनुरूप हो रहे प्रतिदिन गरबा

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। स्थानीय गांधीनगर में नवदुर्गा गरबा समिति द्वारा नवरात्रि पर्व बडे धूमधाम से मनाया जा रहा है यहां माताएं व बहनों द्वारा भारतीय संस्कृति के अनुरूप प्रतिदिन गरबे किये जा रहे है।

गुरूवार को आयोजित माताजी की आरती में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, खाटू श्याम समिति अध्यक्ष नरेंद्रसिंह चौहान, भाजपा नेता सुनील महाबली, राजू चावला, राजपूत समाज के पदाधिकारी श्री भगवानसिंह शक्तावत, श्री तेजपाल सिंह धाकडी, डी एस चंद्रावत सहित समिति सदस्यों ने भाग लिया।

इस अवसर पर अतिथियों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्वों का विशेष महत्व है और इन सबके पीछे सर्वहित की भावनायें रहती है। गरबा सिद्धिदात्री देवियों की आराधना का पर्व है। इसमें नृत्य कला द्वारा हम देवी मां को प्रसन्न करते हैं और उनकी उपासना करते हैं। अतिथियों ने नवरात्रि को विशेष महत्व का पर्व बताते हुये इसका पूरा आनन्द लेने और गरबा नृत्य में ताल से ताल मिलाने की तरह आपसी सामंजस्य बनाकर चलने के लिये प्रेरित किया। अतिथि स्वागत गरबा समिति सदस्य कुशालसिंह शक्तावत, राजेंद्रसिंह राणा, राजेंद्रसिंह राणावत, भंवरसिंह पंवार, गोवर्धनसिंह सोलंकी, मनोहर लाल चौहान, विजेंद्रसिंह चुंडावत, डी एस शर्मा, आर एस श्रीवास्तव, डॉ. श्रवण कुमार श्रीवास्तव, परामर्शदाता धर्मपालसिंह देवडा, राजेंद्रसिंह सिसोदिया, जगदीश शर्मा, सुरेश शर्मा, अध्यक्ष राम नारायण प्रजापति, उपाध्यक्ष सुरेश जोशी, भोला भारती सोनी, के सी शर्मा, संगठन मंत्री. रतनलाल चौहान, सचिव बिंदुपालसिंह राठौर, सहसचिव जगदीश मालवीय, कोषाध्यक्ष सुनील बसेर, गरबा संचालक हस्तीमल सांखला, सह संचालक घनश्याम माहेश्वरी, समिति सदस्य जितेंद्रसिंह सिसोदिया, सत्यनारायण राव, पूरणमल प्रजापति, आशीष बंसल, गोपाल बंसल, अशोक गौड, जितेंद्र गौड, मदन लाल मालवीय, रघुवीरसिंह देवडा, दिनेश रेठा, सुरेंद्रसिंह कोटा, विनोद ओझा, विष्णु मालवीय, कुणाल बैरागी ने किया। यह जानकारी सुनील बसेर ने दी।

भादवा माता के लिए निकली सायकल यात्रा

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर गुरुवार अष्ठमी को नगर के नरसिंहपुरा से सांवलिया ग्रुप कुमावत बंधु के तत्वावधान में मां भादवा माता मंदिर तक सायकल यात्रा निकाली गई।

क्षेत्र की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी नगर के नरसिंहपुरा क्षेत्र से साइकिल यात्रियों का एक जत्था मां भादवा माता के लिए रवाना हुआ। गुरुवार को नरसिंहपुरा श्री राम जानकी मंदिर से साइकिल यात्रियों को पुष्पमाला पहनाकर कुमावत समाज के पटेल कन्हैयालाल टांक कांनजी, राजकुमार बाथरा, बलराम पटेल, हेमन्त कुमावत, विपुल टांक आदि गणमान्य नागरिकों द्वारा यात्रियों को रवाना किया गया साथ ही उनकी मंगल यात्रा की कामना की गई। वही रामटेकरी परशुराम गेट पर विधायक विपिन जैन, कुमावत समाज अध्यक्ष राधेश्याम बरानिया, शुभम कामराज आदि ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया है। जानकारी देते हुए हरिशंकर कुमावत ने बताया कि माता के भक्तों की यह चौथी यात्रा है, जिसमें साइकिल यात्री शामिल है। यह साइकिल यात्री माता भादवा के दरबार में पहुंचेंगे। जहां आस्था के साथ शीश नवाया जाएगा और विशेष पूजा-अर्चना भी की जाएगी।

राज्यसभा सांसद गुर्जर व नपा के जनप्रतिनिधियों ने मां अम्बे की आरती की

मंदसौर, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नरसिंहपुरा स्थित शीतलामाता मंदिर परिसर में नवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। कल नवरात्रि पर्व के अष्टम दिवस गुरूवार की रात्रि को राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर एवं नपा के जनप्रतिनिधियों ने यहां पहुंचकर मॉ अम्बे की आरती की।

इस अवसर पर रेडक्रास सोसायटी चेयरमेन प्रीतेश चावला, पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी, नपा सभापतिगण दीपमाला रामेश्वर मकवाना, रमेश ग्वाला, पार्षद आशीष गौड, दीपक गाजवा, गरिमा हितेन्द्र भाटी, पार्षद प्रतिनिधि अमर फरक्या, अनूप माहेश्वरी, रामेश्वर मकवाना, हितेन्द्र भाटी, पूर्व पार्षद रमेश घोडेला, अशोक कर्नावट, दिलीप ग्वाला ने मॉ अम्बे की आरती की। इस अवसर पर पधारे अतिथियों का स्वागत क्षेत्रीय पार्षद गोवर्धन कुमावत, कुमावत समाज अध्यक्ष राधेश्याम बरानिया, कपिल नरानिया, मांगीलाल कुमावत आदि ने दुपट्टा ओढाकर किया।

धारशी बरेड़िया ने मेले में हंसा-हंसा कर किया लोटपोट

लाफ्टर शो व आर्केस्ट्रा ने देर रात तक मनोरंजन किया

रतलाम, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। नगर निगम द्वारा आयोजित श्री कालिका माता नवरात्री मेले में बीती रात लाफ्टर चैम्पियन धारशी बरेडिया ने अपने लाफ्टर से बडी संख्या में उपस्थित नागरिकों को हंसा-हंसा कर लोटपोट किया।

लाफ्टर शो व आर्केस्ट्रा की शुरुवात गायक ललित बैरागी ने भगवान श्री गणेश जी की वंदना से की इसके बाद दीपक डांस ग्रुप द्वारा शानदार नृत्यों की प्रस्तुतिया दी गई। गायिका प्रिया शर्मा ने लता मंगेशकर और आशा भोंसले जी के सदाबहार गीत दिल तो है दिल दिल का ऐतबार क्या कीजे, ये मेरा दिल प्यार का दीवाना, पिया तू अब तो आजा की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम प्रारंभ में लाफ्टर चैम्पियन धारशी बरेडिया व आर्केस्ट्रा के कलाकारों का स्वागत महापौर प्रहलाद पटेल, सामान्य प्रशासन समिति प्रभारी धर्मेन्द्र व्यास, राजस्व समिति प्रभारी दिलीप कुमार गांधी, महापौर परिषद सदस्य अक्षय संघवी, पार्षद धर्मेन्द्र रांका, रणजीत टांक के अलावा हेमन्त राहौरी, गौरव त्रिपाठी, राजेश माहेश्वरी आदि ने पुष्पहार व पुष्प गुच्छ से किया।

इनका कहना है–फरियादी के आवेदन के हिसाब सीसीटीवी कैमरे में दिखे संदिग्धों की जांच पडताल की जा रही है।

कमलेश प्रजापति
थाना प्रभारी सुवासरा

कन्या पूजन व भोज के आयोजन सम्पन्न

पिपलियामंडी, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। श्री नवदुर्गा गरबा मंडल व वार्ड नं 7 विराट कालोनी में कन्या पूजन के कार्यक्रम हुए व कन्याभोज कराया। पार्षद प्रतिनिधि भूपेन्द्र महावर ने बताया वार्ड 7 विराट कालोनी में भी प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आयोजन हुआ। वहीं श्री नव दुर्गा गरबा मंडल ने प्रथम बार कन्या पूजन कन्या भोज का आयोजन किया। कन्याओं को चुनरी ओढा कर पेंसिल पैकेट दिए। बडी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

एमपी में 31 दिसंबर तक अवैध भवन निर्माण को वैध कराने का अवसर, 12 फीसदी लगेगी फीस

भोपाल, 11 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में भवन अनुज्ञा से अधिक क्षेत्र में आवास निर्माण कराने वालों को अपने अवैध निर्माण को वैध करने का सरकार एक अवसर और देने जा रही है। इसके लिए विधि विभाग ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है।

अब 31 दिसंबर तक 30 प्रतिशत तक अवैध निर्माण को वैध कराया जा सकेगा। इसके लिए भवन स्वामी को कलेक्टर गाइडलाइन में निर्धारित दर के हिसाब से 12 प्रतिशत शुल्क देना होगा। अंतिम तिथि में वृद्धि की अधिसूचना अगले सप्ताह जारी की जाएगी।

तिथि बढ़ाने को सहमति–अभी तक अवैध निर्माण को वैध करने के लिए 31 अगस्त, 2024 अंतिम तिथि निर्धारित की थी। इसके समाप्त होने के बाद नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों की ओर से अवधि में वृद्धि की फिर मांग आई। इसे देखते हुए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रस्ताव विधि एवं विधायी विभाग को भेजा था, जिस पर उसने सहमति दे दी।

कार्रवाई करने में परेशानी–विभागीय अधिकारियों का कहना है कि मध्य प्रदेश नगर पालिका (अनुज्ञा के बिना भवनों के संनिर्माण के अपराधों का प्रशमन, शुल्क एवं शर्त) नियम 2016 में अनुज्ञा के 10 प्रतिशत से अधिक आवासीय और व्यावसायिक निर्माण को वैध किए जाने का प्रविधान है। इसे बढ़ाकर 30 प्रतिशत किया गया है। ऐसा करने के पीछे तर्क यह है कि 70 प्रतिशत निर्माण वैध रहता है, ऐसे में कार्रवाई करने में परेशानी आती है।

कलेक्टर गाइडलाइन–साथ ही यह मामला निकायों की आय से भी जुड़ा है इसलिए भवन के 10 से 30 प्रतिशत तक अनधिकृत निर्माण को वैध करने का प्रविधान किया है। इसके लिए संबंधित क्षेत्र की कलेक्टर गाइडलाइन द्वारा निर्धारित बाजार मूल्य की दर का 12 प्रतिशत के बराबर शुल्क लेकर निर्माण वैध किया जाएगा। भवन के व्यावसायिक उपयोग के मामले में यह शुल्क 18 प्रतिशत लगेगा।

❊ उठावना ❊

ईशु (सरपंच) व पप्पूलाल धनगर की नानीजी श्रीमती कंकुबाई पति पूरालाल धनगर का निधन हो गया है। उठावना 12 अक्टूबर 2024 को प्रात: 10 बजे हमारे निवास स्थान गांव काचरिया चन्द्रावत, तहसील मल्हारगढ पर रखा गया है।

❊❊❊ शोकाकुल ❊❊❊
जगदीशजी धनगर, काचरिया चन्द्रावत, तहसील मल्हारगढ, जिला मन्दसौर

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1369/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक-08.10.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// प्रथम सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक दिनेश पाटीदार पिता प्रकाश पाटीदार निवासी अमलावद, तहसील मंदसौर, जिला मंदसौर द्वारा क्रेशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 26.09.2024 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक 12.11.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मल्हारगढ़	डोडियामीणा	4	2.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम सेड़ (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 12.11.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र एवं पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त आवेदन पत्र को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-17506/24 जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in